डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 09 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 16 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

सोना फिर 61 हजारी हुआ, चांदी भी 73 हजार के करीब

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध के कारण सोने और चांदी में तेजी बरकरार है। शनिवार को सराफा बाजार में सोने के भाव में 700 रुपए की तेजी आई। जिसके बाद सोने के भाव 61,200 रुपए प्रति दस ग्राम पहुंच गए। शनिवार को भाव 60,500 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं जेवराती सोने के भाव 56 हजार रुपए प्रति दस ग्राम रहे। चांदी के भाव में 700 रुपए की तेजी आई और इसके भाव 72,700 रुपए प्रतिकिलो पहुंच गए। सराफा व्यापारियों के मुताबिक युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों धातुओं के दाम में तेजी बरकरार है। इसका असर घरेलू बाजार पर हो रहा है और भाव लगातार बढ़ रहे हैं। आगे भी भाव में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा।

कांग्रेस ने फैंटी गेट, खोले 144 पत्ते

मंदसौर में यशपालसिंह सिसौदिया बनाम विपीन जैन, सुवासरा में राकेश रिपीट, मनासा से लड़ेंगे नरेंद्र नाहटा

गरोठ और मल्हारगढ़ पर नहीं बन पाई सहमति

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस ने ताश की गेट फैंटते हुए 144 पत्ते खोल दिए है। शेष पत्ते आज और कल खोले जाएंगे। नवरात्रि के पहले दिन कांग्रेस ने 144 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। संसदीय क्षेत्र में तीन जगहों पर नाम तय किए गए। जिसमें मंदसौर, सुवासरा और मनासा शामिल है। मंदसौर विस के लिए जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपीन जैन को मौका दिया गया। सुवासरा से राकेश पाटीदार को रिपीट किया गया है। जनचर्चा अनुरूप मनासा से नरेंद्र नाहटा के नाम पर मोहर लगी है।

यशपाल के सामने विपीन...

मंदसौर विस सीट पर भाजपा प्रत्याशी यशपालसिंह सिसौदिया के सामने कांग्रेस जिलाध्यक्ष विपीन जैन को उम्मीदवार बनाया गया है। विपिन जैन पहले दलौदा ग्राम पंचायत में सरपंच भी रहे हैं। विपिन जैन मंडी व्यवसाई और स्कूल संचालक भी है। इस सीट को लेकर नवकृष्ण पाटिल और महेंद्रसिंह गुर्जर के नामों की चर्चा भी चल रही थी।

फिर होगे डंग के सामने राकेश...

सुवासरा विधानसभा से राकेश पाटीदार का नाम तय किया गया है। वही सुवासरा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए गए राकेश पाटीदार इससे पहले भी हरदीप सिंह डंग के सामने 2020 का उपचुनाव हार चुके हैं। पार्टी ने उन्हें एक बार फिर से मौका दिया है। 42 वर्षीय राकेश पाटीदार दसवीं तक पढ़े है। उनका मुख्य व्यवसाय कृषि है। इसके पहले भाजपा ने हरदीपसिंह डंग के नाम की घोषणा प्रत्याशी के रूप में कर दी है।

सोमिल नहीं, नरेंद्र नाहटा...

मनासा से वरिष्ठ कांग्रेस नरेंद्र नाहटा के भतीजे सोमिल नाहटा के नाम को लेकर खासी चर्चा चल रही थी। हालांकि नरेंद्र नाहटा खुद मैदान मे खम ठोक कर खड़े हो चुके है। कांग्रेस ने 77 वर्षीय नरेंद्र नाहटा को मनासा से चुनाव मैदान में उतारा है। नरेंद्र नाहटा इसके पहले 2018 में भी मंदसौर विस सीट से यशपालसिंह सिसौदिया के सामने चुनाव लड़े थे। जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यहां फिलहाल भाजपा ने पत्ते नहीं खोले हैं। चर्चा है कि पूर्व मंत्री कैलाश चावला या बंशीलाल गुर्जर अथवा राजेश लड्ढा को भाजपा मैदान में उतार सकती है। नीमच जिले की जावद और नीमच विधान सभा सीट पर कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। इसी तरह भाजपा ने भी नीमच और मनासा से अपना उम्मीदवार होल्ड पर रखा हुआ है।

मंदसौर जिले में दो सीट पेंडिंग...

जिले की चार विधानसभा सीटों में से कांग्रेस ने दो सीटों पर नाम तय किए है। जबकि, भाजपा ने तीन विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस मल्हारगढ़ और गरोठ विधानसभा के प्रत्यशियों के नाम पर सहमति नही बना पाई है। भाजपा ने मल्हारगढ़ विधानसभा से जगदीश देवड़ा को मैदान में उतारा है। जबकि, यहां कांग्रेस की दूसरी सूची का इंतजार किया जा रहा है।

घटस्थापना के साथ शुरू हुआ शक्ति की भक्ति का महापर्व

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित जिले में शक्ति की भक्ति के महापर्व नवरात्रि की शुरूआत रविवार से हो गई। दिनभर धूमधाम से चल समारोह निकलें और गाजे-बाजे के साथ मातारानी के जयकारों के बीच मां की प्रतिमा को पांडाल तक ले जाया गया। शुभ मुर्हूत में घटस्थापना के साथ ही आराधना के महापर्व की शुरुआत भी हुई। विद्युत रोशनी से जगमग पांडालों में मां भगवती की भक्ति का महापर्व शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हुई।

दिनभर भक्ति में रमें रहे श्रद्धालु...

दिनभर श्रद्धालु मां की भक्ति में रमे रहे। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ मां अंबे की प्रतिमाओं को स्थापित कर विधि-विधान से घटस्थापना कर 'जयकारा मां शेरावाली का, बोल सांचे दरबार की जय... , प्रेम से बोलो जय माता दी... जैसे कई जयकारें लगाए। मूर्तिकारों की दुकानों से पांडालों व घरों तक मां की मूर्तियां कहीं ट्रेक्टर से तो कहीं ट्राले से, कहीं ठेलागाड़ी से तो कहीं बाइक से ले जाई गई। इस दौरान युवा ढोल, बैंड-बाजों व डीजे की धुन पर जमकर थिरके। नौ दिवसीय इस पर्व के साथ ही उपवास का दौर भी शुरू हुआ। अभिजीत व शुभ मुहूर्त में लोगों ने घटस्थापना की। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल में भक्त मां की भक्ति में रमें नजर आए। कही बाईक तो कही ट्रैक्टर पर मां की प्रतिमा को लेकर भक्त पांडाल में पहुंचे।

नालछा माता मंदिर में हुई घटस्थापना...

जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर स्थित नालछामाता मंदिर पर घटस्थापना की गई। इसके साथ ही अनेक जगह पर नवरात्रिके प्रारंभ शुभ मुर्हूत को देख घटस्थापना की गई। अब नौ दिनों तक यहां धार्मिक अनुष्ठान से लेकर यज्ञ हवन व अन्य कार्यक्रम होंगे। जिले के भानपुरा क्षेत्र के दूधाखेड़ी माताजी मंदिर, शामगढ क्षेत्र के महिषासुर माताजी मंदिर, सीतामऊ क्षेत्र के मोड़ी माताजी मंदिर पर भी माता की महाआरती सहित अन्य कार्यक्रम हुए।

शहर के मुख्य चौराहों पर रही धूम...

शहर में बीपीएल चौराहा व गांधी चौराहा मार्ग पर दिनभर प्रतिमाएं ले जाने वालों की धूम रही। बीपीएल चौराहे से विभिन्न गरबा पांडालों तक ढोल-ढमाकों के साथ गरबा मंडलों द्वारा मूर्तियां ले जाई गई। इस बीच रास्ते में भक्तों की टोलियों ने खूब रंग-गुलाल उड़ाया व नृत्य भी किया। लोगों ने अपने घरों में स्थापित करने के लिए भी छोटी प्रतिमाओं की खरीदारी की।

उम्मीदवारी तय होते ही बनने लगा है क्षेत्र में चुनावी माहौल

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव का माहौल धीरे-धीरे बनने लगा है। भाजपा ने मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से यशपाल सिंह सिसोदिया को उम्मीदवार घोषित कर दिया है साथ ही जिले के मल्हारगढ़ से मंत्री जगदीश देवड़ा और सुवासरा से मंत्री हरदीप सिंह डंग को भी उम्मीदवार बनाया है। उनकी उम्मीदवारी तय होने से भाजपा ने चुनावी माहौल बनाना शुरू कर दिया है। उधर कांग्रेस ने भी 15 अक्टूबर नवरात्रि के शुभारंभ के दिन कमलनाथ के कथनानुसार पहली सूची जारी कर दी और उसमें मंदसौर संसदीय क्षेत्र के भी उम्मीदवार हैं। मंदसौर से प्रबल संभावना कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में विपिन जैन की थी, वही हुआ। मनासा से पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा को उम्मीदवार बनाया गया। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में श्यामलाल जोकचंद और परशुराम सिसोदिया में पेच फंसा हुआ है।

दर्द-ए-दिल
कुमार दशपुरी

इन चुनावों के पहले यह बात जरूर देखी जा रही थी कि उम्मीदवारी को लेकर पहले भाजपा में कुछ असमंजस की स्थिति देखी जा रही थी। लेकिन, संसदीय क्षेत्र के तीन विधानसभा क्षेत्र में पुराने चेहरों पर ही भाजपा ने भरोसा जताया है। पहले कुछ सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को उम्मीदवार बनाए जाने से मंदसौर क्षेत्र को लेकर भी सभी तरह की चर्चाएं हो रही थी। किंतु घोषणा के साथ इन सब पर तो विराम लग गया। जबकि, गरोठ को लेकर अभी सस्पेंस है। कांग्रेस में उम्मीदवारी को लेकर चाहे पार्टी सत्ता में हो या विपक्ष में हमेशा घमासान रहता है। किंतु इस बार अपेक्षाकृत कुछ कम नजर आ रहा है। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से विपिन जैन की उम्मीदवारी को लेकर कांग्रेस के सभी नेता और कार्य कर्ता लगभग एक ही स्वर में इस बात को स्वीकार कर रहे थे, नवरात्रि के पहले दिन कांग्रेस की सूची में उनका नाम घोषित हो ही गया। मनासा को लेकर भी नरेंद्र नाहटा की उम्मीदवारी पहले से तय कर दी गई थी। सूत्र बताते हैं कि उन्हें पहले ही संकेत दे दिया गया था, सूची में उनका नाम आ ही गया। मनासा से भाजपा के उम्मीदवार कैलाश चावला या बंशीलाल गुर्जर भी बनाए जा सकते हैं, यह संभावना भी प्रबल देखी जा रही है। यदि ऐसा हुआ तो वह मंदसौर नगर के दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेता मनासा में जाकर आमने-सामने होंगे। इनमें श्री चावला व श्री नाहटा पहले भी मनासा में प्रतिद्वंद्वि रह चुके हैं।

नरेंद्र नाहटा वहीं से चुनाव जीत कर 10 साल मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री रहे तो कैलाश चावला वर्ष 2003 के चुनाव में मनासा से विधायक बनकर लगभग सवा साल मंत्री रहे। बाद में शिवराज सिंह के मुख्यमंत्री बनने के बाद श्री चावला को मंत्री नहीं बनाया गया। पिछले विधानसभा में तो उन्हें उम्मीदवार भी नहीं बनाया गया। लेकिन, इस बार संभावना प्रकट की जा रही है। उधर कांग्रेस ने गरोठ-भानपुरा क्षेत्र से पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया को चुनाव लड़ाने का फिर से मन बना लिया है। सांसद सुधीर गुप्ता की विधानसभा चुनाव लड़ने की तमन्ना सर्वविदित है। पहले मंदसौर पर काफी फोकस था, अफवाहें भी चली। लेकिन, यहां से तो उनका टिकट नहीं हो सका। लेकिन, गरोठ को लेकर अभी भी उम्मीद है। सुवासरा से राकेश पाटीदार ही होंगे यह तय माना जा रहा था और पुन: कांग्रेस के उम्मीदवार सूची में .... शेष पेज 4 पर

आचार संहिता: कंटेनर में मिली एक करोड़ की शराब, दो जन धराए

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस थाना दलौदा द्वारा विधान सभा चुनाव 2023 मे आचार संहिता के दौरान 01 करोड़ रूपए किमती अवैध अंग्रेजी शराब व ट्रक कंटेनर पकड़ा। मौके से पुलिस ने दो अंतर्राज्यीय शराब तस्करो को हिरासत में लिया। पकड़े गए ट्रक कंटेनर मे 581 पेटी अंग्रेजी शराब की पेटिया भरी हुई थी।

दलौदा थाना पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति एक कंटेनर वाहन नम्बर आरजे 14 जीएल 1819 मे राजस्थान तरफ से अवैध शराब भरकर रतलाम तरफ जाने वाले है। सूचना पर तत्काल टीम गठित कर महू- नीमच हाईवे रोड कचनारा चेक पोस्ट पर मंदसौर से जावरा तरफ जाने वाले रोड पर कंटेनर को रोका। कंटेनर के केबिन मे ड्रायवर के साथ क्लिनर बैठा था। जो वाहन से उतरकर भागने का प्रयास करने लगे। लेकिन, फोर्स की मदद से बमुश्किल पकड़ा। मौके से पुलिस ने शंभुसिंह पिता नानुसिंह दरोगा राजपुत उम्र 30 साल निवासी जैतगढ .... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

रेल यात्रा को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के दावों की खुली पोल

अभी ओड़ीशा के बालासोर में हुए रेल हादसे को लोग भुला भी न पाए थे कि दिल्ली से कामाख्या जा रही नार्थ-ईस्ट एक्सप्रेस बिहार के बक्सर में पटरी से उतर गई। इसमें चार लोगों के मारे जाने और अनेक के घायल होने की पुष्टि हुई है। स्वाभाविक ही इस घटना को लेकर रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल उठने शुरू हो गए हैं। गाड़ी की इक्कीस बोगियां पटरी से उतर गई। प्राथमिक जांच में हादसे की वजह पटरी में खराबी बताई जा रही है। गनीमत है कि इसमें बालासोर जैसा बड़ा हादसा नहीं हुआ, जिसमें दो गाड़ियां परस्पर टकरा गई थीं। मगर इससे रेलवे को अपने बचाव का आधार नहीं मिल जाता। हालांकि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और असल वजह उसके बाद ही पता चल सकेगी। मगर हर रेल हादसे के बाद यह एक परिपाटी-सी बन गई है कि मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजे की घोषणा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को रफादफा करने की कोशिश की जाती है। हर बार रेल सुरक्षा के संकल्प दोहराए जाते हैं और फिर जल्दी ही हाशिए पर धकेल दिए जाते हैं। अक्सर तर्क दिया जाता है कि रेल लाइनों पर गाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ता गया है। बहुत सारी रेल लाइनें पुरानी होने की वजह से वे दबाव नहीं झेल पातीं और उनमें खराबी आ जाती है। मगर यह तर्क गले नहीं उतरने वाला। पिछले कुछ वर्षों से रेलगाड़ियों को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के दावे खूब किए जाते हैं। अनेक तेज रफ्तार गाड़ियां भी चलाई गई हैं। इस तरह रेल किराए में पिछले कुछ वर्षों में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। कहा जाता है कि रेलों को हवाई सुविधाओं की तरह बनाया जाएगा। मगर जब तक रेल का सफर सुरक्षित नहीं होगा, उसमें चलने वालों में यह भरोसा पैदा नहीं होगा कि वे अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंच जाएंगे, तब तक इन दावों का कोई महत्व नहीं रह जाता। रेल हमारे देश की सबसे बड़ी परिवहन व्यवस्था है। आज भी सामान्य आयवर्ग के लिए यह सबसे सुविधाजनक साधन है। मगर रेल हादसों, उनमें चोरी, डकैती, महिलाओं के साथ बदसलूकी जैसी घटनाओं पर अंकुश न लग पाने के कारण बहुत सारे लोग इसमें सफर करने से हिचकते देखे जाते हैं। हर बजट में रेल को सुरक्षित बनाने का वादा किया जाता है, मगर नतीजा फिर वही ढाक के तीन पात निकलता है। आज जब हर क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, रेलों को भी सुरक्षित बनाने के मकसद से टक्कररोधी उपकरण लगाने, पटरियों की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक कंप्यूटरीकृत व्यवस्था विकसित करने की परियोजना शुरू की गई थी। रेलों में आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाने और हर बोगी को अत्याधुनिक संचार प्रणाली से जोड़ने की योजना चलाई गई। मगर अब भी अगर हर कुछ समय पर रेलें पटरी से उतर जा रही हैं, परस्पर टकरा जाती हैं, तो जाहिर है, सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं का गंभीरता से मूल्यांकन करने की जरूरत है। दुनिया में इतने रेल हादसे कहीं नहीं होते, जितने भारत में होते हैं, जबकि अनेक देशों में हमसे अधिक रफ्तार की गाड़ियां चलती हैं। यह समझ से परे है कि इतने लंबे समय से रेलों को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के वादे किए जा रहे हैं, फिर भी उन देशों से तकनीक लेने की कोशिश क्यों नहीं की जाती।

5 राज्यों के चुनाव परिणाम कई दृष्टियों से होंगे महत्वपूर्ण

अवधेश कुमार

कुल 16 करोड़ 14 लाख मतदाताओं, 679 विधानसभा सीटों तथा 83 लोकसभा स्थानों का महत्व समझना कठिन नहीं है। इन चुनावों के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभाओं में आरक्षण के लिए नारी सम्मान वंदन कानून बना दिया है। इन चुनावों में करीब 7 करोड़ 80 लाख महिला मतदाता हैं। अब यह पता चलेगा कि महिलाओं को आरक्षण देने से यह चुनाव कितने प्रभावित होंगे। यह चुनाव भाजपा, कांग्रेस तथा क्षेत्रीय स्तर पर बी.आर.एस. यानी भारत राष्ट्र समिति के लिए एक हद तक 'करो या मरो' जैसा है। कांग्रेस के लिए इनमें प्रदर्शन से आई.एन.डी.आई.ए. में राष्ट्रीय राजनीति यानी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से उसकी हैसियत तय होगी। उसने अच्छा प्रदर्शन किया तो आई.एन.डी.आई.ए. का नेतृत्व हाथों में आ सकता है। अच्छा नहीं रहा तो आई.एन.डी.आई.ए. में नेतृत्व की दावेदारी तथा सीटों के तालमेल में कमजोर पायदान पर खड़ी रहेगी। भाजपा के लिए भी यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की 2 विधानसभा चुनावों में लगातार हार के बाद वह अगली पराजय का जोखिम नहीं ले सकती। यद्यपि 2018 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान विधानसभा चुनावों में पराजय के बावजूद 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इन राज्यों में एकपक्षीय जीत दर्ज की थी किंतु लगातार पराजयों से पार्टी समर्थकों और कार्यकर्ताओं में निराशा पैदा होगी तथा विपक्ष मनोवैज्ञानिक लाभ उठा सकता है। प्रश्न है कि क्या इन चुनाव में पार्टियां अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप परिणाम लाने में सफल होंगी? चुनाव परिणाम की भविष्यवाणी हमेशा जोखिम भरी होती है इसलिए इससे बचना चाहिए। हालांकि पिछले चुनावों के प्रदर्शनों, वर्तमान स्थिति, उम्मीदवार तथा मुद्दों के आधार पर कुछ आकलन कर सकते हैं। मध्यप्रदेश में 2018 चुनाव के बाद कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी थी जो 15 महीने बाद ही ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ 22 विधायकों के विद्रोह से खत्म हो गई। किंतु कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला था। उसे 114 और भाजपा को 109 स्थान मिले थे। भाजपा को कांग्रेस से 47 हजार 827 मत भी ज्यादा मिले थे। भाजपा को 41.02 प्रतिशत तो कांग्रेस को 40.9 प्रतिशत मत मिले थे। यह विचार करने वाली बात है कि 15 सालों के सत्ता विरोधी रुझान, पार्टी के अंदर शिवराज सिंह चौहान के प्रति थोड़ा-बहुत असंतोष तथा अनेक विरोधी मुद्दों के बावजूद अगर भाजपा बुरी तरह पराजित नहीं हुई तो क्या 2023 में स्थिति उससे ज्यादा खराब है। राजस्थान में भी कांग्रेस बहुमत से पीछे 99 पर अटक गई थी तथा भाजपा को 73 सीटें मिली थीं। कांग्रेस 39.30 प्रतिशत तो भाजपा 38.08 प्रतिशत मत पाई थी। दोनों के बीच केवल 1 लाख 77 हजार 699 मतों का ही अंतर था। हां, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने भाजपा को बुरी तरह पराजित किया था। 90 विधानसभा सीटों में कांग्रेस को 68 तथा भाजपा को 15 सीटें मिली थीं। कांग्रेस के 43.04 प्रतिशत वोटों के मुकाबले भाजपा के 33 प्रतिशत वोट आए थे। यानी 13 प्रतिशत से ज्यादा का अंतर था। तेलंगाना के 119 सीटों में तत्कालीन टी.आर.एस. और वर्तमान बी.आर.एस. ने 88, कांग्रेस ने 19 और भाजपा ने एक तथा ए.आई.एम.आई.एम. ने 7 सीटें प्राप्त की थीं। जाहिर है भाजपा की स्थिति यहां काफी बुरी थी। मिजोरम में मिजो नैशनल फ्रंट ने 26, कांग्रेस ने 5, भाजपा ने एक तथा अन्य ने 8 सीटें जीती थीं। किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के पहले जरा चार महीने बाद हुए लोकसभा चुनाव परिणामों को भी देख लीजिए। मध्यप्रदेश के 29 में से भाजपा ने 28 तो कांग्रेस ने एक तो राजस्थान के 25 में से भाजपा ने 24 सीटें जीतीं और कांग्रेस एक स्थान भी जीत नहीं पाई, एक सीट आर.एल.पी. को गई। छत्तीसगढ़ के 11 में से भाजपा ने 9, कांग्रेस ने 2 सीटें जीतीं। जिस तेलंगाना में भाजपा का केवल एक विधायक जीता वहां लोकसभा में उसके चार सांसद जीते, कांग्रेस के तीन और बी.आर.एस. के 9, एम.आई.एम. का एक सांसद जीता। मिजोरम की एक सीट एम.एन.एफ. के खाते में गई। मतों के अनुसार देखें तो राजस्थान में भाजपा को 58.47 प्रतिशत जबकि कांग्रेस को 34.24 प्रतिशत मत मिले। यानी 24 प्रतिशत मतों की खाई। मध्यप्रदेश में भाजपा को 58 प्रतिशत और कांग्रेस को 32.50 प्रतिशत मत आया। यानी 26 प्रतिशत का अंतर है। छत्तीसगढ़ में भी भाजपा को 50.7 प्रतिशत एवं कांग्रेस को 40.90 प्रतिशत मत मिले। लगभग 10 प्रतिशत से भाजपा आगे है। तेलंगाना में लोकसभा चुनाव में बी.आर.एस. ने 41.2 प्रतिशत, कांग्रेस ने 29.4 8 प्रतिशत तो भाजपा ने 19.45 प्रतिशत वोट पाए। यानी विधानसभा चुनाव के परिणाम मिजोरम को छोड़ 4 राज्यों में उसी अनुरूप लोकसभा में नहीं रहे। यह सच है कि इस समय भाजपा के समर्थकों और कार्यकर्ताओं में अपने राज्य सरकारों और वहां के नेतृत्व के विरुद्ध असंतोष एवं गुस्सा है क्योंकि शासन में उनकी व्यापक अनदेखी हुई है। हिंदुत्व, राष्ट्रवाद या विचारधारा निश्चित रूप से भाजपा के अंदर असंतोष और गुस्सा होते हुए भी कार्यकर्ताओं-समर्थकों को विद्रोही होने से बचाता है लेकिन एक समय के बाद लोगों का धैर्य टूटता है। जनता के अंदर किसी राज्य में भाजपा के विरुद्ध व्यापक गुस्सा नहीं है। किंतु कार्यकर्ता और समर्थक पार्टी के लिए काम नहीं करेंगे या विरोध में चले जाएंगे तो विजय मुश्किल है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक इसका उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बनी हुई है, उनके प्रति कार्यकर्ताओं-समर्थकों का विश्वास भी है। किंतु वे जताना चाहते हैं कि राज्यों के नेता उनके विचारों और नीतियों के अनुरूप संगठन और सरकार का संचालन नहीं करते। इस दृष्टि से देखें तो कांग्रेस के पास विजय का अवसर है।

स्थायित्व हमारी खोज नहीं, हमारी चाहत है

राजेंद्र मोहन

कोई उम्र को थामे रखना चाहता है, कोई किसी के हाथों को। किसी के लिए बंधन स्थायी है, किसी के लिए स्वतंत्रता। पर सदैव न फूल झरते रह सकते हैं, न डालियों पर टंगे रह सकते हैं। 'सदैव' की तरह लिखा दिखता समय भी सदैव नहीं रह सकता। फिर भी कभी हम चाहते हैं कि रात न हो और कभी कामना करते हैं कि कोई रात बीते नहीं। हममें से बहुतेरे लोग स्थायित्व के लिए सब कुछ दांव पर लगा देना चाहते हैं, लेकिन यह कभी तय नहीं हो पाता कि स्थायित्व आखिर है क्या! जिस तरह बांसुरी के भीतर से गुजरी हवा संगीत बन जाती है, वैसे अपने भीतर ऐसा खालीपन जरूर रखना चाहिए जो जीवन में प्रविष्ट धूसर रंगों में घुल कर आह्लादित हो जाए। स्थायी तो खालीपन भी नहीं है और भरपूर भरेपन का स्थायी होना तो नामुमकिन है। पर हां, अनकहा दुख मन की देह पर पाषाण से भी भारी जरूर होता है। हममें से अधिकतर लोगों ने बैर कमाया है जगत में और उसे गांठ से बांधे रखते हैं। अगर घृणा और द्वेष की राह त्याग कर हम कुछ प्रेम में निवेश करेंगे पथ के आलोक में तो रास्ता सुगम हो सकता है। अब क्या हम पल-पल, पग-पग संबंधों की बलि दे देकर अपने स्वार्थ का स्थायित्व तलाश रहे हैं? हालांकि जब उम्मीदें टूट जाती हैं सारी, छीन लिए जाते हैं या छिन जाते हैं सभी सहारे, तब दुनिया बदरंग लगती है। ऐसा लगता है कि हमारे अरमान छले गए। जहां आग लगी हो बस्ती-बस्ती, नफरत फैली हो गली-गली में, सब रिश्ते-नाते बिखर रहे हों, तो यह सवाल मन में उभरता है कि जग में कैसी हवा चली है। अब इस हवा के स्थायित्व की कामना विफल प्रेम की साधना है। अब प्रेम पंथ कौन बुहारे। जब कुंद हुई अब धार प्रेम की, तब धरी हो शीश पर पाप की गठरी, मर्यादाएं तार-तार हों, डूब रही हो कश्ती जीवन की, भ्रष्ट आचरण हुआ सभी का, तब मुश्किल होता है इस जग में जीना। संबंधों की साख बचाने के लिए यहां गरल पीना पड़ता है। दरअसल, गरल पीने वाला ही अमरनाथ होता है। अमृत छकने वाले तो आजकल मदांध होकर विषवमन करने में जीवन धन्य मान रहे हैं। याद रखने की जरूरत है कि अगर हम क्रोध खरीदते हैं तो हमें वात रोग या 'एसिडिटी' मुफ्त में मिलेगी ही। अगर हम ईर्ष्या खरीदते हैं, तो सिरदर्द मुफ्त में मिलना पक्का है। हमने नफरत को सींचा है तो मुफ्त 'अल्सर' या गंभीर घाव के लिए भी तैयार रहना चाहिए। हम तनाव को पालते हैं तो रक्तचाप साथ आएगा ही। ठीक इसके बरक्स अगर हम बातचीत से विश्वास खरीदते हैं, तो दोस्ती मुफ्त में प्राप्त हो जाती है। अगर हम व्यायाम खरीदते हैं, तो अच्छा स्वास्थ्य मुफ्त में मिल जाता है। अगर हम शांति खरीदने के लिए बोलते हैं तो हमें समृद्धि उपहार में प्राप्त हो जाती है। इसके अलावा, अगर हम ईमानदारी खरीदते हैं, तो अच्छी नींद मुफ्त में प्राप्त हो जाती है। कहीं लिखा हुआ पढ़ा था कि आपके पास संवेदना और भावुकता है तो आप अपना विकास खुद ही कर लेंगे। बुद्ध भी कहते थे- 'अप्प दीपो भव'। यानी अपना दीपक खुद बनो। जे कृष्णमूर्ति भी संपूर्णता में अपने आपको समझने या आत्मनिरीक्षण या चुनाव रहित निर्विकल्प जागरण का निर्देश देते हैं। स्थायित्व बोध की वस्तु है। कह सकते हैं कि मेरा कोई परंपरागत गुरु नहीं है, लेकिन मेरे अ'चडुसंख्य गुरु हैं। मैं महर्षि दत्तात्रेय की तरह असंख्य गुरुओं की प्रदक्षिणा करता हूं। एक वृक्ष पर प्रहार करने पर भी मीठे फल प्रदान करने को देखकर अगर आत्मदान की प्रेरणा मिलती है तो वृक्ष गुरु हो गया। कालिदास की नवनवोन्मेषशालिनी कल्पना शक्ति स्थायित्व की अनूठी मिसाल है। इसके लिए उन्हें कठोर मेहनत करनी पड़ी थी और तभी जीवन का ताप श्लोकबद्ध हुआ था। एक गंधवती उषा को पाना अद्भुत कला है और इस कला का पारखी ही स्थायित्व का रसपान कर सकता है। सर्जनात्मकता उत्कर्ष प्रदान करती है। हम जीवन की स्थितियों से भी प्रतिक्रियाशील होते हैं, लेकिन उसे एक सुसंगत प्रारूप में विन्यस्त करना जिसे आता है, वही शिल्पी है स्थायित्व का। वही है इस जग जीवन का शिल्पी-जय, जिसकी वाणी में जीवन के स्वर हों। ऐसे ही जन-मन के मांस पिंड पर मुदित होता सत्य अमर है।

लेन-देन के रिश्ते से ऊपर है मित्रता का रिश्ता

दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जो रोजमर्रा के किसी भी कीमती सामान के लेन-देन से ऊपर है। दोस्ती में लोगों के बीच मतभेद होते हैं, वे प्यार और उपहार देते और लेते हैं, लेकिन ये भूलने के लिए हैं। महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि कोई अपने दोस्त की सर्वोत्तम तरीके से कैसे मदद कर सकता है। इस दुनिया में कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता। हर चीज की एक कीमत होती है। अगर हम अच्छे दोस्त चाहते हैं, तो हमें अपने दोस्तों के लिए भी एक अच्छा दोस्त बनने के लिए तैयार रहना चाहिए। अगर हमारा मित्र या परिवार का सदस्य हमसे कोई मदद मांगता है, तो हम बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना किसी भी तरह से उसकी मदद करने की पूरी कोशिश करते हैं। मित्रता के मूल में यही है। एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना और बदले में कोई लेन-देन की अपेक्षा न रखना। लेकिन गुजरते समय के साथ ये बंधन बहुत अधिक लेन-देन वाले होने लगे हैं। लोग एक-दूसरे को सच्चे संपर्क के रूप में कम और संसाधनों के रूप में अधिक देखते हैं। दोस्ती और रिश्तों के प्रति अधिक व्यावसायिक दृष्टिकोण की ओर झुकता यह बदलाव स्वतंत्र या ऐच्छिक नहीं है। महामारी के बाद से कई रिश्ते मुख्य रूप से आनलाइन स्थानांतरित हो गए हैं। जब दोस्ती डिजिटल रूप से आगे बढ़ती है, तो हम कभी-कभी रिश्ते में संबंध और अंतरंगता की गहराई खो सकते हैं जो हमारे पास व्यक्तिगत रूप से हो सकती है। दोस्ती में सूक्ष्म समझ और प्राकृतिक संबंध की कमी हो सकती है। इन परिस्थितियों में लेन-देन शैली की दोस्ती अधिक आसानी से स्थापित हो जाती है। जब देना और लेना असंतुलित हो जाता है, तो एक दोस्त को ऐसा महसूस हो सकता है कि उसका उपयोग किया जा रहा है या कम से कम ऐसा महसूस हो सकता है जैसे कि वे दोस्ती में वापस पाने की तुलना में अधिक निवेश कर रहे हैं। कुछ देने और लेने पर एक 'रेखा' खींचना खतरनाक है, क्योंकि इसे परिभाषित करना अक्सर कठिन होता है। रिश्ते भी उतने ही अलग होते हैं, जितने उनमें शामिल लोग होते हैं। दोस्ती में देना और लेना एक कठिन अवधारणा होती है। दोस्ती के लिए कौन 'अधिक' कर रहा है, इसका संतुलन आगे और पीछे होता रहेगा और समय के साथ काफी हद तक यह बराबर बात होनी चाहिए। लेकिन अल्पावधि में यह निर्धारित करना बेहद मुश्किल है कि कौन अधिक दे रहा है। हो सकता है कि एक मित्र कठिन समय से गुजर रहा हो। ऐसे में दूसरे मित्र को समय-निर्धारण के मामले में लचीला होना चाहिए। दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जो रोजमर्रा के किसी भी कीमती सामान के लेन-देन से ऊपर है। दोस्ती में लोगों के बीच मतभेद होते हैं, वे प्यार और उपहार देते और लेते हैं, लेकिन ये भूलने के लिए हैं। महत्त्वपूर्ण यह हो जाता है कि कोई अपने दोस्त की सर्वोत्तम तरीके से कैसे मदद कर सकता है। इस दुनिया में कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता। हर चीज की एक कीमत होती है। अगर हम अच्छे दोस्त चाहते हैं, तो हमें अपने दोस्तों के लिए भी एक अच्छा दोस्त बनने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारे साझा सांस्कृतिक मूल्य अक्सर मित्रता संचालित करने के तरीकों के केंद्र में होते हैं। सांस्कृतिक वातावरण व्यवहार के स्वरूप, दृष्टिकोण और मूल्यों जैसी चीजों को प्रभावित करते हैं। यहां तक कि हमारी व्यक्तिगत और सांप्रदायिक पहचान की भावना भी। जब संस्कृति तेजी से बदलती है, तो हमारी मित्रता भी अक्सर उसी के अनुसार बदल जाती है। स्वभाव से अति-व्यक्तिवादी होते जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप हमारे हर रिश्ते में लेन-देन का दृष्टिकोण घर करता जा रहा है। लेन-देन संबंधी मित्रता का बढ़ना हमारी संस्कृति के व्यक्तिवाद और निज स्वार्थ पर केंद्रित होने का लक्षण है।

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5025

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5024

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5025

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1949 को इस राज्य को भारत में शामिल किया गया (3)
4. हरियाणा के प्रमुख राजनीतिज्ञ जो भारत के उपप्रधानमंत्री रहे (4)
7. [illegible] (3)
8. [illegible] (3)
9. निर्भीक, [illegible] (2)
11. एक बार सांस लेने का समय (2)
13. मथुरा से करीब 20 किमी दूर स्थित वृंदावन का एक गांव जहां नंद रहते थे (4)
15. उत्तरप्रदेश के इस शहर का नाम परिवर्तित कर प्रयागराज कर दिया गया है (5)
17. [illegible], राजा भोज की नगरी (2)
18. जीव-जंतुओं के शरीर के [illegible] (2)
19. [illegible] (2)
20. हिलने-डुलने की क्रिया, गति (4)
23. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (2)
24. सूर्यपुत्र कर्ण को यह भी कहते थे (4)

ऊपर से नीचे
1. तीनों काल (भूत, वर्तमान, भविष्य)(3)
2. इसे अंग्रेजी में [illegible] कहते है (2)
4. फिल्म इंडस्ट्री में महानायक अभिनेता जिनका निधन 3 दिसंबर 11 को हुआ था (5)
5. बहादुर, योद्धा, शूर (2)
6. [illegible] (2)
10. [illegible] (3)
11. [illegible] (3)
12. बहुत बड़ा, महान, सर्वश्रेष्ठ (2)
14. [illegible] (3)
15. उपासना, आराधना, पूजा (उर्दू)(4)
16. यह भारत में मुगल साम्राज्य का संस्थापक था (3)
19. नया, नवीन, नव (3)
20. अधिकार, इख्तियार (2)
21. [illegible] (2)
22. वीर, बहादुर, योद्धा (2)

वर्ग पहेली 5024 का हल

माता-पिता के जीवन पर आधारित नाटिका ने आंखें नम की, नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी मन मोहा

डेक्सटर ग्लोबल स्कूल में वार्षिकोत्सव और शिक्षा में 15 उत्कृष्ट वर्षों का उत्सव मनाया

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के मध्य एवं मॉ शिवना के तट पर स्थित डेक्सटर ग्लोबल स्कूल ने अपने वार्षिकोत्सव कला का शानदार कार्यक्रम आयोजित किया। इस वर्ष स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में 15 उत्कृष्ट वर्ष भी पूर्ण किये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की मुख्य ट्रस्टी श्रीमती मुक्ता गोयल एवं चैयरमेन श्री विशाल गोयल ने की। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ञवलन किया गया। तत्पश्यात विद्यालय की शिक्षिकाओं ज्योति विजयवर्गीय,प्रज्ञा जोशी,रानी मकवाना, प्रियंका खारोल,वैशाली सुक्वाल , पूजा शर्मा , अदिति पालीवाल एवं अंजली पोरवाल द्वारा सरस्वती वंदना की सुंदर गायन प्रस्तुति दी गई।विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीलिमा चौधरी द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन एवं विद्यालय की उपलब्धियां प्रस्तुत की। श्रीमती चौधरी ने बताया कि हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते है कि हम अपने विद्यार्थियों को नये जमाने की सुविधाओं को को-करिकुलम गतिविधियों के साथ शिक्षा उपलब्ध कराते है। इनसे हमारे विद्यार्थियों को सीखने एवं उनके समग्र विकास में मदद मिलती है। इसके पश्चात विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मनमोह लिया। पहली प्रस्तुति में छात्रों में श्री गणेश देवा नामक गीत पर सुंदर नृत्य की प्रस्तुति देकर प्रथम पूज्य भगवान गणेश की आराधना की। यू.के.जी. के विद्यार्थियों द्वारा सूरज की बांहों में नामक गीत पर बहुत ही शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। माता-पिता का हमारे जीवन में अहमियत एवं उनके संघर्षो पर पर आधारित एवं बेहद ही खूबसूरत एवं धार्मिक नाटक का चित्रांकन किया गया। जिसे देख उपस्थित सभी अभिभावकों की आंखे नम हो गई। इसी के साथ मातृभाषा का हमारे देश में गिरते हुए स्तर एवं उसकी दशा का वर्णन करते हुए विद्यार्थियों ने एक बेहद खूबसूरत नुक्कड नाटक प्रस्तुत किया। जिसमें हमारी मातृभाषा हिन्दी के महत्व को प्रतिपादित किया गया। कक्षा 9वीं, 10वीं एवं 11वीं केविद्यार्थियोंने एकजुनून एवं जय-जय शिव नामकगीतोंपर शानदान नृत्य प्रस्तुत किया। इसी प्रकार कक्षा 6टी से 12वीं तक के छात्रों के एक समूह में बॉलीवुड थीम पर एक आकर्षक एवं बेहद ही खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किया। जिसे उपस्थित अभिभावकों ने खूब सराहा। छात्रों ने अपने इस कार्यक्रम के माध्यम से हिम्मत न हारते हुए मुश्किलों का सामना करते हुए सफल होने का संदेश दिया। विद्यार्थियों द्वारा मंच पर दी गई प्रस्तुतियों का उपस्थित अतिथियों एव अभिभावकों ने खूब सराहा एवं तालियों के साथ उनका अभिवादन किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक गार्विश रामनानी एवं शिक्षिकाओं किरणाक्षी पुरोहित, सकीना बारूद वाला तथा सोनिया जमनानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार वरिष्ठशिक्षिका सुश्री मधुबाला टांक द्वारा किया गया।

सांखला परिवार ने 101 मॉ अम्बे की तस्वीरों का नि:शुल्क वितरण

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जिला गरबा मण्डल के तत्वावधान में धर्मसेवी श्री बद्रीभाई सांखला के द्वारा मॉ अम्बे की 101 तस्वीरों का वितरण कियागया। भागवताचार्य पं. दशरथभाईजी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस तस्वीरर वितरण कार्यक्रम में बडी संख्या में गरबा मण्डलों के जुडे धर्मालुजन उपस्थित थे। जिला गरबा मण्डल अध्यक्ष हिम्मत डांगी, वसीठा धोबी समाज अध्यक्ष मनोज सांखला, पूर्व अध्यक्ष राजू अखेरिया, समाजसेवी कन्हैयालाल सोनगरा, अर्जुन डाबर, बंशीलाल टांक की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर धर्मेन्द्र सांखला, महेन्द्र सांखला, राकेश बगेरिया, नितेश बगेरिया, मोहन बारिया, गोपाल पारवानी, अनिल संगवानी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री डांगी ने कहा कि धर्मसेवी सावन सांखला कई वर्षो र्से मॉ अम्बे की तस्वीरे वितरित कर रहे है। पीओपी के कारण पर्यावरण को नुकसान नहीं हो इस कारण श्री सांखला द्वारा मूर्तियों की जगह तस्वीरे वितरण की है। सावन सांखला ने कहा कि धर्मसेवी श्री बद्रीभाई सांखला ने जो अनुकरणीय पहल मूर्ति वितरण की शुरू की थी उस परम्परा को सांखला परिवार आज भी आगे बढ्ा रहा है। समाजसेवी मनोज सांखला ने कहा कि जिला गरबा मण्डल व सांखला परिवार का यह आयोजन अनवरत कई वर्षो र्से चल रहा है। कार्यक्रम का संचालन शरद शर्मा ने किया व आभार धर्मेन्द्र सांखला ने माना।

नवरात्री के प्रथम दिवस देव डुंगरी माताजी मंदिर पर भक्तों का तांता लगा

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नवरात्रि के पावन पर्व पर डेड्र सो सीड़ी वाली मां देवडूंगरी माताजी मंदिर पर घट स्थापना हुई। वाड़ी बिठाई गई। नवरात्री के अवसर पर स्थापना अवसर पर भक्तों द्वारा आरती की गई। पंडित प्रियांश राज पुरोहित, जगदीश बैरागी, बंशी राठौर, एवं मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा भक्तों को नवरात्रि के पावन पर्व पर माता रानी की प्रतिक्रिति के रूप मे सिक्कों का वितरण किया गया। राधेश्याम मारू ने बताया की नवरात्री के प्रथम दिवस देव डुंगरी माताजी मंदिर पर भक्तो का तांता लगा रहा।

इजरायली सेना ने गाजा पट्टी पर शुरू की छापेमारी, हमास के ठिकानों को बनाया निशाना

यरुशलम, 14 अक्टूबर। इजरायल और हमास युद्ध का ये आठवां दिन है। इजरायल ने बीते कुछ दिनों में गाजा पट्टी और खासकर हमास के आतंकी ठिकानों पर अपने हमले की तीव्रता को बढ्ा दिया है। वहीं, गाजा के अधिकारियों के अनुसार बीते कुछ दिनों में इजारयल के हमले में फिलिस्तीन के 1500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं. और बड़ी संख्या में घायल हुए हैं।

दस्तावेजों से पता चला है कि हमास ने जितना संभव हो उतने लोगों को मारें , बंधकों को पकड़ने और उन्हें गाजा पट्टी में ले जाने के लिए इजरायल के कफर साद में प्राथमिक विद्यालयों और एक युवा केंद्र को निशाना बनाने की विस्तृत योजना बनाई थी। अधिकारियों ने अभी तक कफर साद में मरने वालों की संख्या निर्धारित नहीं की है।

इजरायल रक्षा बल ने कहा, अली कादी ने 7 अक्टूबर को इजरायल में नागरिकों के अमानवीय, बर्बर नरसंहार का नेतृत्व किया। हमने उसे मार डाला. हमास के सभी आतंकवादियों का भी यही हश्र होगा। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि इजरायल जिस तरह से अपने लोगों की रक्षा करने के वैध अधिकार का पालन करता है और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि ऐसा दोबारा न हो। यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी नागरिकों का ध्यान रखें और हम काम कर रहे हैं। उन्?होंने कहा कि हम गाजा में सुरक्षित क्षेत्र स्थापित करने पर काम कर रहे हैं। गलियारे स्थापित करने पर काम कर रहे हैं ताकि मानवीय सहायता उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें इसकी आवश्यकता है। . हममें से कोई भी किसी भी तरफ नागरिकों की पीड़ा को नहीं देखना चाहता, चाहे वह इजराइल में हो, गाजा में हो या कहीं और।

भादवामाता में नवरात्रि मेला प्रारम्भ, कलेक्टर ने लिया जायजा

नीमच, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केन्द्र भादवामाता में नवरात्रि मेले की तैयारियों का जायजा लिया और श्रृद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जैन ने भादवामाता में संस्थान द्वारा श्रृद्धालुओं के लिए संचालित अन्न क्षैत्र का शुभारम्भ कर, श्रृद्धालुओं को भोजन प्रसादी का वितरण भी किया। उन्होने भादवामाता मंदिर में नवरात्रि के प्रथम दिन घट स्थापना कार्यक्रम में शामिल होकर हवन, पूजा-अचर्ना एवं आरती में भी भाग लिया।कलेक्टर ने भादवामाता मंदिर पर ध्वजा की स्थापना भी की। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे, डॉ.राजेश पाटीदार, श्री अजय एरन, सुश्री कविता कंडेला व अन्य अधिकारी एवं श्रृद्धालु उपस्थित थे।

दिव्यांग एवं 80 वर्ष के मतदाताओं को बिना लाइन में लगे मतदान करने का होगा अधिकार

कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम विधानसभा निर्वाचन के लिए बीएलओ का प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन के लिए बीएलओ का प्रशिक्षण कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में आयोजित किया गया। बीएलओ को प्रशिक्षण दौरान अवगत कराया गया की 80 वर्ष या 80 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति या जिन व्यक्तियों में 40% अधिक विकलांगता है। ऐसे व्यक्तियों को मतदान केंद्र तक लाने एवं मतदान केंद्र से वापस घर छोड़ने के लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। 80 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों एवं विकलांग व्यक्तियों को लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें सीधे वोटिंग कराई जाएगी। शारीरिक रूप से चल नहीं सकते, ऐसे व्यक्तियों के लिए मतदान केंद्र पर व्हीलचेयर उपलब्ध रहेगी और उसका उपयोग कर सकते हैं। बीएलओ द्वारा ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किया जाएगा।

मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई

नीमच, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत सीएमसी कोचिंग सेंटर नीमच पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ,जय श्री आरोग्य जन कल्याण समिति द्वारा हार्टफुलनेस ध्यान शिविर में मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान चलाकर सभी उपस्थित शिविरार्थियों को मतदान करने के लिए शपथ दिलवाई गई।इस अवसर पर सीआरपीएफ नीमच के आई जी श्री संदीप दत्ता भी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों द्वारा निर्मित जीव विज्ञान प्रयोगशाला

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज ने शासकीय बालक उमावि क्रमांक 2 मंदसौर में जीव विज्ञान प्रयोगशाला का अवलोकन कर विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए छात्रों के द्वारा बनाए हुए अनेकों प्रभावी मॉडल को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रयोगशाला को जिले की सर्वश्रेष्ठ जीव विज्ञान प्रयोगशाला बताते हुए कहा कि यहां बैठकर छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है और विषय के प्रति रुचि जागृत होती है साथ ही नवाचारों को करने की प्रेरणा मिलती है बच्चों के द्वारा और शिक्षकों के द्वारा किया गया प्रयास सराहनीय है । विद्यालय के प्राचार्य धर्मपाल सिंह देवड़ा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी बहुत प्रतिभावान है उन्हें आवश्यकता हैं अवसर और उचित मार्गदर्शन की जो कि जीव विज्ञान प्रभारी श्रीमती कीर्ति सक्सेना के माध्यम से विद्यार्थियों को सतत रूप से देकर जीव विज्ञान को कैसे सरल और रोचक तरीकों से पढ्ाया जाए इस पर प्रयास किया जा रहा है।

शिवसेना के संभाग प्रमुख पद पर शांतिलाल पाटीदार नियुक्त, हुआ स्वागत

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। हिन्दू हृदय श्री बाला साहेब ठाकरे के आशीर्वाद से शिवसेना राष्ट्रीय प्रमुख एकनाथ शिंदे, राष्ट्रीय सचिव केप्टन अभिजीत अर्मुल के निर्देशानुसार व मध्यप्रदेश के वरिष्ठनेता थानेश्वर महावरा, म.प्र. राजीव चतुर्वेदी, मध्यप्रदेश प्रभारी सुरेश गुर्जर, मध्यप्रदेश उप राज्य प्रमुख डॉ. महेन्द्रसिंह व प्रदेश सचिव जितेन्द्र चतुर्वेदी की अनुशंसा पर उज्जैन संभाग प्रमुख पद पर शांतिलाल पाटीदार को नियुक्त किया गया। जिला उपप्रमुख भेरूलाल देवड़ा ने बताया कि संभाग प्रमुख बनाये जाने पर शिवसेना मंदसौर जिला द्वारा सुवासरा जिला कार्यालय पर कार्यकर्ता व पदाधिकारी द्वारा फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस आयोजन में जिला प्रमुख कमलेश राजगुरू, जिला प्रभारी राजेश गोस्वामी, जिला उपप्रमुख भेरूलाल देवड़ा, शाजापुर जिला प्रभारी पर्वत राठौर, पूर्व युवा जिला प्रमुख जितेन्द्रसिंह सुरी, सुवासरा तहसील प्रमुंख उज्ञवल जायसवाल, शामगढ तहसील प्रमुख कमलेश मोयल, मल्हारगढ तहसील प्रमुख उत्तम सूर्यवेशी, मंदसौर तहसील उप प्रमुख दशरथ नायक, दिलीपसिंह पंवार, नरेन्द्र मीणा, देवीलाल माली, राधेश्याम धमानिया, विशाल, विमल गुर्जर आदि शिव सैनिक मौजूद थे।

जिले के सभी मतदान केन्द्र एकीकृत

नीमच, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के अन्तरगत कलेक्ट1र एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन, एडीएम सुश्री नेहा मीना के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता गति- विधियों के अन्त र्गत् नीमच जिले के सभी मतदान केन्द्रों को एकीकृत डिजाईन मेंतैयार करवाया गया है। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने बताया, कि जिले के सभी मतदान केन्द्रों की दीवारों पर एकीकृत डिजाईन तैयार करवाई गई है। कलेक्टलर श्री जैन ने गत दिवस पडदा, भाटखेडी में मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर, इन मतदान केन्द्रों पर एकीकृत डिजाईन की सराहना की।

पत्रकारों के बनने वाले पास की जटिल प्रक्रिया में सरलीकरण हो

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन में पत्रकारों के बनने वाले पास की जटिल प्रक्रिया के सरलीकरण को लेकर जिला पत्रकार एसोसिएशन ने राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर मांग की है कि सक्रिय पत्रकारों एवं ब्लॉक व तहसील मुख्यालय स्तर पर कार्यरत सभी पत्रकारों के मीडिया पास बनाए जाएं। पत्रकारों के मीडिया पास को लेकर उक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मध्यप्रदेश शासन से पंजीकृत जिला पत्रकार एसोसिएशन मध्यप्रदेश के समन्वयक राधेश्याम मारू ने बताया कि जनसम्पर्क द्वारा जारी निर्वाचन आयोग की नियमावली में मीडिया पास को लेकर जो प्रक्रिया है, वह एक सक्रिय पत्रकारों के लिए दुविधाजनक होकर जटिल है। जिसे सरलीकरण करने की मांग को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र प्रेषित किया गया।

वर्ल्ड कप 2023 का पहला उलटफेर...

डिफेंडिग चैंपियन इंग्लैंड को अफगानिस्तान ने हराया

नईदिल्ली, 15 अक्टूबर। वनडे वर्ल्ड कप 2023 का सबसे बड़ा उलटफेर रविवार को हुआ। अफगानिस्तान ने डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए उसे 69 रन से हरा दिया। वर्ल्ड कप में 14 लगातार मैच हारने के बाद अफगानिस्तान ने जीत दर्ज की और 2019 की चैंपियन टीम को ही मात दे दी।

नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी, अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 49.5 ओवर में 284 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 215 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान के स्पिनर्स गेमचेंजर रहे। मुजीब उर रहमान, मोहम्मद नबी और राशिद खान ने मिलकर 8 विकेट लिए। मुजीब और राशिद को 3-3 विकेट मिले, जबकि मोहम्मद नबी ने 2 विकेट झटके।

5वीं बार उलटफेर का शिकार हुआ इंग्लैंड-इंग्लैंड की टीम वनडे वर्ल्ड कप इतिहास में 5वीं बार उलटफेर का शिकार हुई। इससे पहले 1992 में टीम को जिम्बाब्वे ने 9 रन से हराया। 2011 में टीम को आयरलैंड ने 3 और बांग्लादेश ने 2 विकेट से हराया था। वहीं 2015 में भी इंग्लैंड को बांग्लादेश ने ही 15 रन से हराकर उलटफेर किया था। अब 2023 में अफगानिस्तान ने 69 रन से हराकर इंग्लैंड को 5वीं बार वर्ल्ड कप में उलटफेर का कड़वा स्वाद चखाया। इतना ही नहीं, इंग्लैंड की टीम टी-20 वर्ल्ड कप में 2 बार नीदरलैंड से भी हार कर उलटफेर का शिकार हो चुकी है।

नवीन और फारूकी ने भी 1-1 विकेट लिया-अफगानिस्तान के स्पिनर्स ने कुल 8 विकेट चटकाए, लेकिन विकेट गिराने की शुरुआत तेज गेंदबाजों ने की। फजलहक फारूकी ने अपने पहले ही ओवर में जॉनी बेयरस्टो को 2 रन के स्कोर पर LBW किया। उनके बाद नवीन-उल-हक ने इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर को बोल्ड किया और टीम को बैकफुट पर धकेल दिया।

इंग्लैंड से हैरी ब्रूक के अलावा कोई नहीं चला-285 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही, टीम ने 7 ओवर में ही 2 विकेट गंवा दिए। जॉनी बेयरस्टो 2 और जो रूट 11 रन बनाकर आउट हो गए। मिडिल ओवर्स में पार्टनरशिप बनने लगी, लेकिन टीम लगातार विकेट गंवाते चली गई। डेविड मलान 32, जोस बटलर 9, लियम लिविंगस्टन 10, सैम करन 10, क्रिस वोक्स 9, आदिल रशीद 20, मार्क वुड 18 और रीस टॉप्ली 15 रन ही बना सके। इंग्लैंड से केवल हैरी ब्रूक ने अर्धशतक लगाकर 66 रन की पारी खेली। उन्हें मुजीब उर रहमान ने विकेटकीपर इकराम अलीखिल के हाथों कैच कराया। उनके विकेट के बाद इंग्लैंड का स्कोर 8 विकेट पर 169 रन हो गया। इसके बाद टीम 46 रन ही और जोड़ सकी और ऑलआउट हो गई।

शुरुआती 10 ओवर में इंग्लैंड ने 2 विकेट गंवाए-285 रन के टारगेट को डिफेंड करने उतरी अफगानिस्तान टीम ने अच्छी शुरुआत की। टीम ने दूसरे ही ओवर में ही इंग्लिश ओपनर जॉनी बेयरस्टो को पवेलियन भेज दिया। 7वें ओवर में जो रूट भी बोल्ड हो गए। हालांकि टीम ने 10 ओवर में 52 रन बना लिए।

✻ भूखण्ड आवंटन सूचना ✻

मध्यप्रदेश शासन की योजनांतर्गत सैनी नगर फेस-बी कालोनी, ग्राम बानीखेड़ी, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर में कमजोर आय वर्गों तथा निम्न आय समूह हेतु भूखण्ड विक्रय/ आवंटन करना है।

भूखण्ड प्राप्त करने के इच्छुक पात्र व्यक्ति विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर निम्नलिखित शर्तो के साथ अपना आवेदन कार्यालय पर प्रस्तुत कर लाभ उठावें।

नियम व शर्ते-

✻ म.प्र. निवासी प्रमाण पत्र।
✻ बीपीएल कूपन , समग्र आई डी अथवा आय प्रमाण पत्र।
✻ उपरोक्त व्यक्ति व परिवार के सदस्यों के नाम से मध्यप्रदेश में कोई आवास/भूखण्ड नहीं होने का शपथ पत्र।
✻ आवेदक का आवेदन पत्र आधार कार्ड की छाया प्रति सहित।

✻✻✻✻✻✻✻✻✻ कार्यालय का पता ✻✻✻✻✻✻✻✻✻

सैनी नगर फेस-बी कालोनी कार्यालय

वास्ते- दिनेश पिता फकीरचंदजी सैनी, एफ. दयाराम एण्ड कम्पनी

दयामंदिर सिनेमा परिसर, मंदसौर (म.प्र.) सम्पर्क सूत्र-9630530573

मामला मनासा विधानसभा का....

कांग्रेस से नाहटा को मिली हरी झंडी, भाजपा मे फंसा पेंच

मनासा, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। रविवार सुबह जैसे ही कांग्रेस पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के रूप मे पूर्व उद्योग मंत्री नरेन्द्र नाहटा का नाम घोषित हुआ। उससे कई स्थानीय नेताओं की हवा निकल गई। पिछले दस साल से कांग्रेस पार्टी का झंडा तोकने और अपने वालो से तुकवाने वाले कॉलोनाइजर मंगेश संघई ओर उनके कार्यकर्ताओं के दिल के अरमा आंसुओ मे बह गए।

नरेंद्र नाहटा के टिकट के विरोध स्वरुप दो तीन छुटमइये नेताओं ने अपने पद से इस्तीफो की पेशकश कर दी। ऐसे एकाध लोगो ने अपना इस्तीफा जिलाध्यक्ष चौरसिया ओर पीसीसी अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नाम भेज कर सोशल मीडिया पर नाहटा विरोधी होने का प्रचार-प्रसार चालू कर दिया। मंगेश संघई ने मिडिया को बताया की कांग्रेस पार्टी ने गाइड लाइन के विपरीत टिकट दिया है और अपने आप को स्थानीय कहते हुए नरेंद्र नाहटा को बाहरी उम्मीदवार बताया। इस फैसले से कांग्रेस पार्टी को नुकसान होने तक की बात कहते हुए बगावत के सूर चालू कर दिए।

कांग्रेस पार्टी ने नरेंद्र नाहटा पर भरोसा जताते हुए वर्ष 2003 के बाद फिर मनासा विधानसभा से अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस का भरोसा इसलिए की वर्ष 2003 के बाद इन 20 सालो तक नरेंद्र नाहटा लगातार मनासा आते जाते रहे है ओर अपने कार्यकर्ताओ ओर चाहने वालो से सीधे संपर्क मे बने रहे है, ज़ो आजतक जारी है। इस वर्ष नरेंद्र नाहटा के चाहने वालो ने नाहटाजी का जन्मोत्सव द्वारकापुरी मनासा मे मनाया था। इस जन्मोत्सव के कार्यक्रम मे बिनबुलाये हजारों कार्यकर्ताओ ने अपनी उपस्थिति प्रदान की थी, तबसे कांग्रेस के अन्य नेताओं ओर सत्ताधारी पार्टी भाजपा के नेताओं मे भी खलबली मची हुई है।

श्री नाहटा के सतत जीवंत संपर्क का ही परिणाम है की कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर से मनासा विधानसभा से उद्योग मंत्री रहे नरेंद्र नाहटा को अपना अधिकृत उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस के बाद अभी भाजपा ने अपने अधिकृत उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। वर्तमान विधायक माधव मारु, पूर्व मंत्री कैलाश चावला के साथ मंदसौर के किसान नेता बंशीलाल गुर्जर के नाम की हवा चल रही है। आचार संहिता के बाद मनासा विधानसभा मे मारु विरोधी स्वर भी चालू हो गए है। जिसके कारण मनासा विधानसभा का मामला काफ़ी रोचक दिखाई पड़ता है, ज़ो आने वाले दिनों मे स्पष्टहो जायेगा।

कॉलेज के बजाय पशुपतिनाथ मेला ग्राउंड में लगेगा पटाखा मार्केट

चुनाव आचार संहिता के कारण लिया गया निर्णय

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। इस बार पटाखा मार्केट कॉलेज मैदान पर नहीं बल्कि पशुपतिनाथ मेला प्रांगण में लगेगा। इसकों लेकर रविवार को प्रशासन की टीम और व्यापारियों ने मेला ग्राउंड काअवलोकन भी कर लिया । इससे पहले आचार संहिता के कारण कॉलेज ग्राउण्ड पटाखा मार्केट के लिए नहीं दिए जाने को लेकर प्रशासन के इंकार के बाद व्यापारियों ने कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया से मुलाकात की। जिसके बाद पशुपतिनाथ मेला प्रांगण में दूकाने लगाऐ जाने पर सहमती बनी।

निर्वाचन के दौरान कॉलेज परिसर का उपयोग निर्वाचन कार्यो के लिए होता है। यहीं से मतदान सामग्री का वितरण होता और निर्वाचन के बाद मतदान सामग्री यहीं पर जमा भी होती है और मतगणना भी यहीं होती है। ऐसे में कॉलेज मैदान में पटाखा मार्केट नहीं लगाया जा सकता। जिसकों लेकर व्यापारियों ने विरोध जताया और कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया से चर्चा की। जिसके बाद प्रशासन ने वैकल्पिक रूप से पशुपतिनाथ मेला प्रागंण पटाखा मार्केट के लिए प्रस्तावित किया। इसका अवलोकन प्रशासन ओर व्यापारियों ने किया और यहीं पर पटाखा मार्केट लगाऐ जाने पर सहमती प्रदान की। उल्लेखनीय है कि पटाखा मार्केट में करीब 200 दूकाने लगेगी। इसकों लेकर शीघ्र ही दूकान आवंटन की प्रकिृया प्रारंभ होगी।

अग्रसेन जयंती पर नगर में निकला भव्य चल समारोह

जगह-जगह हुई महाराजा अग्रसेनजी की पूजा अर्चना, अनेक परिवारों ने किया स्वागत

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज देशी पंचायत मंदसौर द्वारा 1008 महाराजा श्री अग्रसेन जयंती पर रविवार को जनकुपुरा स्थित भगवान श्री नरसिंह मंदिर से ढोल ढमाकों एवं बैंड बाजों के साथ नगर में भव्य चल समारोह निकला। चल समारोह में एक सुसज्जित रथ में महाराजा अग्रसेन जी की तस्वीर विराजित की गई थी। जिसकी पूजा अर्चना समाज के अध्यक्ष आशीष गुप्ता परिवार द्वारा की गई। इस अवसर पर समाज के संरक्षक नरेंद्र अग्रवाल, संयोजक नंदकिशोर अग्रवाल, मार्गदर्शक राजमल गर्ग अंकित, समाज चौधरी संतोष गोयल , राजेंद्र अग्रवाल राजकुमार सिंहल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा समाज अध्यक्ष आशीष गुप्ता का साफा बांधकर दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। रजत कलश धारण करने का लाभ आशीष अनिल गुप्ता परिवार द्वारा लिया गया। जिसके बाद नरसिंह मंदिर से भव्य चल समारोह प्रारंभ हुआ। चल समारोह में समाज की मातृशक्ति केशरिया वस्त्र पहनकर सम्मिलित हुई वहीं पुरुष श्वेत वस्त्रों में शामिल हुए जिससे चल समारोह की शोभा देखते ही बन रही थी।

चल समारोह नरसिंह मंदिर से प्रारंभ नगर के प्रमुख मार्गो अशोक टॉकिज रोड ,शुक्ला चौक, कालाखेत से राधा स्वीटस ,घंटाघर, कालिदास मार्ग, बस स्टैंड बालाजी मन्दिर, नीलम होटल रोड होते हुए सीधे नयापुरा से नरसिंहपुरा स्थित महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन पहुंचा। चल समारोह में शामिल बडी संख्या में मातृशक्ति एवं पुरुष युवा जन डांडिया रास खेलते हुए चल रहे थे और महाराजा अग्रसेन के जयकारें लगा रहे थे। इससे पूर्व सुबह नरसिंह मंदिर में अभिषेक का लाभ जानकीलाल सिंहल परिवार ने लिया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज देसी पंचायत के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, संरक्षक ,नरेंद्र अग्रवाल, संयोजक नंदकिशोर अग्रवाल ,प्रमुख मार्गदर्शक राजमल गर्ग, अनिल गुप्ता, परामर्शदाता , सुरेश गर्ग अंकित, महासचिव ओम अग्रवाल सर, कोषाध्यक्ष राजेश मित्तल, समाज चौधरी संतोष गोयल,उपाध्यक्ष ओम प्रकाश मित्तल, विकास अग्रवाल, संजय मित्तल ,स्वागत अध्यक्ष प्रो.अशोक अग्रवाल, ताराचंद अग्रवाल, दिनेश गर्ग, विमल अग्रवाल, उप स्वागतध्यक्ष डॉ. आशीष अग्रवाल ,अमित अग्रवाल ,रितेश गर्ग, प्रवक्ता गोपी अग्रवाल ,सचिव जगदीश अग्रवाल ,प्रवीण अग्रवाल ,अनिल अग्रवाल अमृत , रत्नेश गर्ग, हिसाब निरीक्षक यशवंत गोयल, सांस्कृतिक सचिव सत्य प्रकाश गर्ग ,ललित अग्रवाल, संदीप गर्ग ,सुमित मित्तल , संगठन सचिव सुभाष गुप्ता, राजेंद्र बंसल ,कार्यालय मंत्री हेमंत अग्रवाल, निखिल कबाडी ,मार्गदर्शक मंडल सर्व श्री योगेश गुप्ता ,परमानंद अग्रवाल, हंसराज कबाडी ,मुकेश गुप्ता, अरविंद कागला , आदिश गर्ग, गिरीश अग्रवाल, संजय गुप्ता, महावीर गर्ग, जितेंद्र मित्तल, विमल अग्रवाल ,नीरज अग्रवाल, विपिन बारिक सहित बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

विभिन्न संस्थाओं ने किया चल समारोह का स्वागत–चल समारोह का स्वागत अशोक कबाडी , अशोक टॉकिज , जानकीलाल सिंहल , बापूलाल गोंदवाले, राधा स्वीटस परिवार, विनर क्लब, शांतिलाल नंदकिशोर अग्रवाल , बापूलाल गर्ग परिवार, जनसांसी परिवार , श्री अग्रसेन सामाजिक उत्थान सेवा समिति ,गुप्ता परिवार, सेवन स्टार ग्रुप, वैश्य महासम्मेलन, माहेश्वरी समाज श्री कामधेनु सामाजिक संस्था ,धार्मिक उत्सव समिति,नेमीनाथ नवयुवक मंडल ने महाराजा अग्रसेन जी महाराज की पूजा अर्चना कर चल समारोह का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

आदर्श आचरण संहिता का पालन करते हुए पर्व हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाए- कलेक्टर

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि विधानसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए आगामी सभी पर्वों कों आदर्श आचरण संहिता का पालन करते हुए मनाए। धार्मिक आयोजनों को किसी भी तरह से राजनीति का रूप प्रदान न करें। कोई भी आयोजन करें उससे पहले अनुमति जरूर लेवे। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में जो प्रतिबंध है, उसका पालन करें। आयोजन के दौरान अगर कोई शिकायत प्राप्त होती है तो, संबंधित पर कार्यवाही की जाएगी। सभी आयोजन बड़ेसोच समझकर आयोजित किया जाए। पोस्टर बैनर लगाने से पहले नगर पालिका की अनुमति एवं कर जरूर जमा करें। मूर्ति विसर्जन स्थल के संबंध में भी सूचना प्रदान करें। त्योहारों के दौरान एफएसटी एवं वीएसटी टीम लगातार कार्यवाही करेगी। इस दौरान प्रेक्षक की कार्यक्रमों पर नजर रहेगी। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान, एडिशनल एसपी श्री गौतम सिंह सोलंकी, शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

लघुशंका करने पर जानलेवा हमला, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। लघुशंका करने गए युवक पर जानलेवा हमला हुआ। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। नाहरगढ थाने पर रातीतलाई निवासी सुरेश ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरा भाई ईश्वरलाल घर के पीछे लघुशंका के लिए गया था, इसी दौरान दिनेश पिता बद्रीलाल बाछडा, विक्रम पिता बद्रीलाल बाछडा ने गाली- गलौज की व मारपीट की। बीच-बचाव के दौरान ईश्वरलाल पर लोहे के सलिए से वार किया व फावडे से पैर व पीठ पर हमला कर चोंट पहुंचाई। व कहा कि आज के बाद हमारी जगह में लघुशंका करने आया तो जान से मार देंगे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

दुर्घटना में हुई थी मौत, बाइक सवार पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सडक दुर्घटना में हुई युवक की मौत के मामले में पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक सवार पर केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार 11 सितम्बर 2023 को रात्रि गुड़भेली टर्न पर बाइक सवार रैगर मोहल्ला, झोपड़ पट्टी निवासी राहुल पिता बालूराम मेघवाल की मौत हो गई थी। पुलिस ने विवेचना के बाद शनिवार को टक्कर मारने वाले बाइक (एमपी 14 एनएफ 1554) के चालक पर धारा 304 ए में केस दर्ज किया।

अवैध शराब के साथ तीन को पकड़ा

पिपलियामंडी, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने अवैध शराब के साथ 3 आरोपियों को पकड़ा। मल्हारगढ पुलिस ने 57 क्वार्टर के साथ भीलखेड़ी निवासी सुन्दरलाल पिता बापूलाल गुर्जर को, नाहरगढ पुलिस ने 20 क्वार्टर के साथ क्यामपुर निवासी परसराम पिता मोडीराव भाट को, पिपलिया पुलिस ने 20 क्वार्टर के साथ लसुड़िया राठौर निवासी नवलसिंह पिता चेनसिंह राजपूत को पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया।

मतदान दल पूरी निष्पक्षता एंव सजगता के साथ निधारित प्रोसीजर का पालन करने हुए कार्य करें-जैन

नीमच, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 में स्वतंत्र, निष्प्क्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी मतदान दलों के अधिकारी-कर्मचारी निष्पक्षता एंव सजगता के साथ अपने निर्वाचन दायित्वों का निर्वहन करें। मतदान संबंधी निर्देशों का पीठासीन अधिकारी एंव मतदान अधिकारी बारिकी से अध्ययन कर लें, ताकि उन्हें सुचारू रूप से मतदान सम्पन्न कराने में कोई परेशानी ना हो। यह निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने मतदान दलों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिए। मतदान दलों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नीमच व जावद तथा शासकीय महाविद्यालय मनासा एवं जावद में 15 अक्टूबर 2023 को सम्पन्न हुआ। कलेक्टकर श्री दिनेश जैन,जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एंव अपर कलेक्टर सुश्री नेहा मीना ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण कर जायजा लिया।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मनासा में मतदान दलों के प्रतिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा निर्वाचन-2023 में लगे पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एंव वीवीपीएटी के बारे में पूरी जानकारी होना आवश्यंक है। वे ईव्हीएम व वीवीपीएटी के बारे में अच्छी तरह से पूर्वाभ्यास करले, ताकि उन्हें स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सुव्यवस्थित मतदान कराने में कोई कठिनाई ना हो। उन्होनने कहा, कि मतदान दलकर्मी निर्देश पुस्तिका का अच्छी तरह से अध्ययन करलें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रयोगात्मक तरीके से मतदान दलों को मतदान सामाग्री प्राप्त करने, मतदान केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, निर्वाचन विधि लागू करने, मतदाता की पहचान का सत्यापन, अमिट स्याही लगाने, मतदान की गोपनीयता बनाए रखने, प्रपत्रों की पूर्ति, मतपत्र लेखा तैयार करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में ईव्हीएम व वीवीपीएटी का हेण्डस आन प्रशिक्षण भी दिया, निर्वाचन से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। पीठासीन अधिकारियों और मतदान अधिकारियों को छोटे छोटे समूह में इलेक्ट्रॉनिक ईव्हीएम व बौचीपीएटी के बारे में विस्तार से समझाईश देते हुए ईव्हीएम व वीवीपीएटी का संचालन भी करवाया गया। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मतदान दलों के प्रशिक्षण केन्द्र मनासा के निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण स्थल पर स्थापित किये गये हेल्प डेस्क का निरीक्षण कर फार्म 12 डी प्राप्त करने की सुविधा की जानकारी ली।

✻ अंतिम यात्रा ✻

मेरी भाभी जी, राजमल , राधेश्याम, विनोद, जगदीश ,प्रहलाद , जयप्रकाश, महेश, हरीश ,कैलाश , जयप्रकाश, सुनील ,संदीप, कमल की काकी जी स्व. प्रमोद, मनोहर,प्रहलाद , योगेश की माताजी व चेतन ,शुभम ,सोमेश, गौरव, यश की दादीजी एवं शावलिन , तनुष्क की परदादी जी श्रीमती सीता देवी धर्मपत्नी (स्व.रमेश चन्द्र जी गर्ग) लक्ष्मी ऑयल मिल वालों का स्वर्गवास आज दिनांक 15/10/23 रविवार को हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा 16/10/23 सोमवार को प्रात: 9:30 बजे निज निवास 91 मेघदूत नगर (महाकाल गार्डन के सामने) मंदसौर से शव वाहन से मुक्तिधाम जाएगी

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

सूरजमल गर्ग (केडिया)एवं समस्त गर्ग (केडिया) परिवार

फर्म-✻सूर्या फूड प्रोडक्ट✻

हरिओम रिफायनरी

✻ अंतिम यात्रा ✻

हमारे बड़े भाई एवं पंकज के पिताजी व अंकित (रोमी) रोहित, प्रीयेश, रजत के बडे पापा एवं मृदुल पलाश के दादाजी श्री छगनलाल स्व. दाऊलाल पारख तुलसीदास जी वाले का श्रीजी शरण आज दिनांक 15 अक्टूबर 2023 रविवार को हो गया है जिनकी बैकुंठ यात्रा निज निवास जिन दत्त बिहार (स्टील नगर के पास) से सोमवार 16 अक्टूबर 2023 को प्रात: 9:00 बजे वाहन द्वारा मुक्तिधाम को जावेगी

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

अशोक, उमेश (पूर्व सभापति एवं अध्यक्ष पारख समाज), प्रमोद एवं राजेंद्र पारख मंदसौर

मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से किया जा रहा मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है तथा महिलाएं हाथों में मेहंदी लगाकर मतदाताओं को जागरूक कर रही हैं। संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। यह कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृत हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं।

भतीजे को पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भतीजे के साथ मारपीट करने वाले काका के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। वरदल निवासी भेरुलाल भील ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत की मेढ पर लगे पौधे लोहे की जाली गिरने से टूट गए, इसी बात को लेकर मेरे काका मदनलाल व उनके लडके रतनलाल ने मिलकर गाली-गलौज की व मारपीट की व बैसाखी से सिर पर मारी, जिससे खून बहने लगा। पुलिस ने काका व उसके लड़के के खिलाफ केस दर्ज किया।

केदारनाथ में हुई सीजन की पहली बर्फबारी, खूबसूरत नजारा देख झूमे श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग, 15 अक्टूबर। केदारनाथ में भक्तों की भीड़ पहुंच रही है। भक्त भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने जा रहे हैं। अब भक्त केदारनाथ में बर्फबारी का भी आनंद ले सकेंगे। इस सीजन की पहली बर्फबारी 15 अक्टूबर को केदारनाथ में हुई। केदारनाथ में 25 अप्रैल को कपाल खुले थे। उसके बाद से ही केदारनाथ धाम में भक्तों का तांता लगा हुआ है। नवरात्रि के पहले दिन केदारनाथ धाम में बर्फबारी हुई।

केदरनाथ धाम में रविवार को बर्फबारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बर्फबारी के बावजूद लोग केदारनाथ धाम में भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। केदारनाथ धाम में बर्फबारी के बाद मौसम में गिरावट आ गई है।

उम्मीदवारी तय होते ही...

पेज 1 से जारी

उनका नाम आ गया। हालांकि पर्वो के दिनों में चुनाव होने से व्यापारी वर्ग और आम जनों में भी इस समय को लेकर प्रतिक्रियाएं हो रही हैं। ऐन दीपावली के ही चरम दिनों में चुनाव भी चरम पर रहेंगे। ऐसे में दीपावली जैसा बड़ा त्यौहार और देश का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक उत्सव चुनाव का त्यौहार दोनों ही प्रभावित होने की आशंका है। अब पर्व के दिनों में चुनाव होने से किस पार्टी को लाभ मिल सकता है, किसको नहीं। यह तो विश्लेषक जैसे-जैसे चुनाव के दिन नजदीक आएंगे। इसका विश्लेषण करेंगे। लेकिन, आम जनमानस में भी यही बात हो रही है कि बड़े त्यौहार के साथ चुनाव नहीं कराए जाने चाहिए थे। कुछ आगे पीछे यह चुनाव हो सकते थे।

आचार संहिता: कंटेनर में...

पेज 1 से जारी

थाना बदनौर तहसील बदनौर जिला भीलवाड़ा राजस्थान ओर क्लिनर रामप्रसाद पिता नानुराम खटीक उम्र 32 साल निवासी जैतगढ जिला भीलवाडा राजस्थान को हिरासत में लिया। कंटेनर मे 581 अंग्रेजी शराब की पेटिया भरी हुई थी। पुलिस आरोपियो से पूछताछ कर रही है।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28 -07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड, मंदसौर

रेलवे कालोनी में घुसा तेंदुआ

एक रेलकर्मी घायल, तीन घण्टे में भी नहीं पंहुचे वन विभाग के जिम्मेदार, कालोनीवासी दहशत में

रतलाम, 15 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर की रेलवे कालोनी में तेंदुआ घुसने की खबर है। तेंदुए ने एक रेलवे अधिकारी के घर पर कार्यरत रेलकर्मी को भी घायल कर दिया है। वन विभाग को सूचना दिए जाने के तीन घण्टे बाद भी कोई जिम्मेदार मौके पर नहीं पंहुचा है। कालोनी में तेंदुए के घुसने से दहशत का माहौल बन गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोपहर करीब चार बजे रेलवे कालोनी के रोड न. 8 पर स्थित मण्डल के वरिष्ठ मण्डल बिजली इंजीनियर महेश कुमार गुप्ता के बंगले में सचिन नामक एक रेलकर्मी काम कर रहा था,कि अचानक तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले में सचिन घायल हो गया। घायल रेलकर्मी को उपचार के लिए चिकित्सालय में ले जाया गया है। इसके बाद यह तेंदुआ बंगलों के पीछे के हिस्से में चला गया।

रेलवे कालोनी में तेंदुआ घुस जाने की खबर से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। कई लोगों ने मकानों की छत पर से इस तेंदुए के विडीयो भी बनाए। आसपास के लोगों ने कालोनी में तेंदुआ घुसने की सूचना वन विभाग को भी दी। सूचना पर वन विभाग के दो कर्मचारी मौके पर तो पंहुचे लेकिन कुछ ही देर बाद वहां से रवाना हो गए। जीआरपी और आरपीएफ के कर्मचारी भी मौके पर पंहुचे है। समाचार लिखे जाने तक तेंदुआ रेलवे कालोनी में ही घूम रहा है इस सम्बन्ध में जब वन विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करने की कोशिश की,तो किसी भी अधिकारी ने फोन नहीं उठाया। सभी के मोबाइल नो रिप्लाय होते रहे।हांलाकि कुछ देर बाद वन विभाग कर्मचारियों की एक टीम के पिंजरा लेकर रेलवे कालोनी में पंहुचने की सूचना मिली है। बताया जा रहा है कि तेंदुए को पकडने के प्रयास किए जा रहे है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in